भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3610

उत्तर देने की तारीख-10/08/2026

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार एनसीईआरटी पाठ्यक्रम

†3610. **श्री के. सी. वेणुगोपाल:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के अनुरूप अपने पाठ्यक्रम को समायोजित करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा अपनाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा शैक्षणिक पाठ्यक्रम, दिशा-निर्देशों तथा अधिगम परिणामों का निर्धारण करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त प्रक्रिया में शामिल हितधारकों का ब्यौरा क्या है तथा क्या इसकी समीक्षा के लिए कोई उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम एवं विषय-वस्तु में किस प्रकार तथा कितना अद्यतन किया जाता है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के अनुसार, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ़-एफ़एस) 2022 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ़-एसई) 2023 तैयार की है। ये रूपरेखा चरण-वार और विषय-वार पाठ्यचर्या लक्ष्यों, दक्षताओं, अधिगम परिणामों, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन के लिए आधार प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा विकसित करने के लिए, राष्ट्रीय संचालन समिति का गठन किया गया था, जिसने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रों, शैक्षणिक संस्थाओं, नव- और गैर-साक्षर, विषय विशेषज्ञों, विद्वानों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं आदि सहित विविध हितधारकों से राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा के लिए इनपुट प्राप्त करने हेतु समग्र दृष्टिकोण का पालन किया और सार्वजनिक परामर्श फेस-टू-फेस के साथ-साथ डिजिटल मोड में व्यापक प्रक्रिया आयोजित की गई। इस प्रक्रिया को नागरिक-केंद्रित मोबाइल ऐप सर्वेक्षण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों और अभिभावकों सहित 13 लाख से अधिक इच्छुक नागरिकों और मोबाइल ऐप सर्वेक्षण के माध्यम से राज्य स्तर पर 1.5 लाख से अधिक शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रों और शिक्षाविदों की भागीदारी से लाभ हुआ था।

32 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 1550 से अधिक जिला-स्तरीय परामर्श आयोजित किए गए। संस्थाओं के 35 समूहों, 8000 हितधारकों, जिन्होंने विश्वविद्यालयों और नागरिक समाज समूहों के साथ 12 परामर्शों में भाग लिया था से भी इनपुट प्राप्त हुए थे। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा गठित फोकस समूहों द्वारा लिखे गए 25 विशेष रूप से प्रासंगिक विषयों पर 600 से अधिक स्थिति पत्र, जिसमें कुल मिलाकर 4000 से अधिक विशेषज्ञ शामिल थे, और एनसीईआरटी द्वारा गठित 175 से अधिक सदस्यों वाले विशेषज्ञ समूहों द्वारा राष्ट्रीय फोकस समूहों से 25 पत्र शामिल थे। इन इनपुट का विश्लेषण किया गया और प्रासंगिक सुझावों को एनसीएफ में शामिल किया गया। इन इनपुट का संज्ञान लेते हुए, एनसीएफ-एफएस 20 अक्टूबर, 2022 को जारी किया गया और एनसीएफ-एसई 23 अगस्त, 2023 को जारी किया गया।

एनसीएफ की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, एनसीईआरटी ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) का गठन किया है। इस समिति के अंतर्गत सभी विषयों और कक्षाओं के लिए 13 पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह (सीएजी) और पाठ्यपुस्तक विकास दल (टीडीटी) गठित किए गए हैं। एनएसटीसी को पाठ्यपुस्तकों सहित शिक्षण-अधिगम सामग्री के विकास का कार्य सौंपा गया है।राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने पाठ्यपुस्तकों सहित नई शिक्षण-अधिगम सामग्री में एनसीएफ परिपे्रक्ष्य के अनुवाद की जांच करने के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा निगरानी समिति (एनओसी) का भी गठन किया है। एनएसटीसी, एनओसी और सीएजी में विद्वान, विषय विशेषज्ञ, प्रसिद्ध खिलाड़ी, कलाकार, शिक्षक प्रशिक्षक, एनसीईआरटी के संकाय सदस्य, एससीईआरटी के अधिकारी आदि शामिल हैं। टीडीटी में विद्वान, विषय विशेषज्ञ, शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षक, एनसीईआरटी के संकाय सदस्य, एससीईआरटी के संकाय सदस्य आदि शामिल हैं। एनएसटीसी के सहयोग से, एनसीईआरटी ने कक्षा 1-9 के लिए नए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें और बालवाटिका

1, 2 और 3 के लिए अधिगम संसाधनों- जादुई पिटारा और ई जादुई पिटारा का एक संग्रह भी जारी किया है।

पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण सामग्री सहित नई शिक्षण-अधिगम सामग्री को पाठ्यचर्या लक्ष्यों, दक्षताओं और अधिगम परिणामों के विस्तृत मैपिंग के माध्यम से विकसित किया जाता है। मसौदे शैक्षणिक, शिक्षाशास्त्र, भाषा और संवेदनशीलता समीक्षा की कई प्रक्रिया से गुजरते हैं। समीक्षा प्रक्रिया में एनईपी 2020, एनसीएफ-एफएस 2022 और एनसीएफ-एसई 2023 के साथ शैक्षणिक सटीकता, आयु-अनुरूपता, समावेशिता, संवैधानिक मूल्यों, लैंगिक संवेदनशीलता, सांस्कृतिक एवं भाषाई प्रासंगिकता, शैक्षणिक उपयुक्तता और संरेखण की जांच की जाती है। एनसीएफ-एसई के अनुवर्ती के रूप में, अधिगम परिणाम संबंधी सामग्री तथा अधिदेश दस्तावेज़ विकसित किए गए, जो एनसीएफ-एफएस और एनसीएफ-एसई के साथ नए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के विकास के लिए दिशानिर्देश के रूप में कार्य करते थे।

एनसीईआरटी प्रत्येक वर्ष अपनी पाठ्यपुस्तकों का पुनर्मुद्रण करते समय बिना किसी संरचनात्मक परिवर्तन के छात्रों, शिक्षकों और अन्य हितधारकों से प्राप्त प्रासंगिक फीडबैक के अनुरूप अपनी पाठ्यपुस्तकों को अद्यतन करता है। इस प्रयोजनार्थ, यदि आवश्यक हो, तो एनसीईआरटी परिवर्तनों को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है।

*****